आईसीएआर-सीफेट लु धयाना द्वारा कार्यान्वित अनुसू चत जाति उप योजना के अंतर्गत आयोजित एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम

फरवरी **01, 2023**

आईसीएआर-सीफेट लु धयाना द्वारा कार्यान्वित अनुसू चत जाति उप-योजना के अंतर्गत गाँव अजनौद लु धयाना और आसपास के गांवों के अनुसू चत जाति समुदाय के लए एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कया गया। भारत और वश्व इस वर्ष को अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज (मलेट्स) वर्ष 2023 के रूप में मना रहे हैं। सीफेट लु धयाना ने इस कैलेंडर वर्ष में मलेट्स पर कई गति व धयों एवं कार्यक्रमों को चन्हित कया है। ग्रामीण युवाओं और कृ ष श्र मकों को इस महत्वपूर्ण संदेश से अवगत कराने के लए; पोषक अनाज अंतर्राष्ट्रीय वर्ष 2023 के तहत डॉ. रणजीत संह, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. राहुल के. अनुराग, वरिष्ठ वैज्ञानिक नोडल अ धकारी एससीएसपी, डॉ. चंदन सोलंकी वैज्ञानिक एवं नोडल अ धकारी (अंतर्राष्ट्रीय मलेट्स पोषक अनाज (मलेट्स) वर्ष 2023, डॉ. वकास कुमार वैज्ञानिक अजनौद गाँव, पायल पहुंचे । कसानों को मलेट्स की फसलों को व भन्न मूल्य व र्धत उत्पादों जैसे पॉप्ड अनाज, मल्टीग्रेन आटा, उच्च फाइबर युक्त बेक्ड उत्पादों में प्रसंस्करण तकनीकों के बारे में जागरूक कया गया। डॉ सोलंकी ने व भन्न मोटे अनाजों की प्रसंस्करण तकनीकों और इन अनाजों का उपयोग करके बनाए जा सकने वाले व भन्न मूल्य व र्धत उत्पादों के बारे में बताया। उन्होंने मोटे अनाजों के सेवन से होने वाले पोषण और स्वास्थ्य लाभ पर भी जोर दिया। कृ ष-प्रसंस्करण केंद्र मशीनरी और पायलट प्रसंस्करण इकाइयों की सु वधाओं को वी डयो द्वारा प्रद र्शत कया गया। डॉ. रंजीत संह ने संस्थान में उपलब्ध कृ ष व्यवसाय इन्क्यूबेशन के अवसरों की मदद से ग्रामीण बेरोजगार युवा प्रसंस्करण गति व धयों को कैसे शुरू कर सकते हैं, इस पर एक व्याख्यान दिया। सरपंच श्री सुखजीत संह सद्धू गांव-अजनौद ने कार्यक्रम में डा. न चकेत कोतवालीवाले निदेशक, सीफेट लु धयाना का स्वागत कया। निदेशक महोदय ने समापन सत्र में सभा को संबो धत करते हुए स्वयं सहायता समूहों वशेष रूप से प्रसंस्करण गति व धयों में रु च रखने वाली ग्रामीण महिलाओं की सहायता करने में सीफेट द्वारा निभाई गई भू मका पर ध्यान केंद्रित कया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के दौर में जहां खाद्यान्न उत्पादन कम होने से खाद्य आपूर्ति की समस्या गहराती जा रही है, वहीं मोटे अनाजों क खेती कर प्रसंस्कृत उत्पादों से ना सर्फ देश-दुनिया की खाद्य आपूर्ति आसानी से सुनिश्चित हो जाएगी, बल्कि कुपोषण की समस्या को दूर कया जा सकता है। निदेशक डॉ. कोतवालीवाले एवं कार्यक्रम की वैज्ञानिक टीम ने कार्यक्रम में उपस्थित पचास (50) कसानों को अनुसू चत जाति उप-योजना की लाभ सामग्री के रूप में अनाज भंडारण के लए स्टेनलेस स्टील कंटेनर और प्लास्टिक क्रेट का वतरण कया।

Celebrating
भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कटाई–उपरान्त अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान,
लुधियाना–141004, पंजाब
द्वारा कार्यान्वित
ICAR-CIPHET